एक वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
(सत्र–2022–23)

बी.ए. भाग–1
(हिंदी साहित्य) प्रथम प्रश्नपत्र
प्राचीन हिंदी काव्य

पूर्णांक: 75
क्रेडिट – 5, 90 कालखण्ड

उद्देश्य एवं प्रस्तावना : प्राचीन से यहां तात्पर्य है– आधुनिक काल से पूर्व का काल। सही अर्थ में हिंदी भाषा और साहित्य का विकास आदिकाल से शुरू होता है। इसमें धार्मिक तथा ऐतिहासिक दो प्रकार का साहित्य मिलता है, जो प्रबंध, मुक्तक, रासो, फागु, चरित, सुभाषित आदि विविध काव्यरूपों में अभिव्यंजित है। मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में इसे प्रतिष्ठापित किया जाता है। मध्यकालीन काव्य में भक्तिकाव्य, जहां लोक जागरण को स्वर देने वाला है वहीं रीति काल अपने लौकिक, श्रृंगारिक, परिदृश्य में तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक स्थितियों को बेलौस अभिव्यंजित करता है। अतः भाषा संस्कृति, विचार, मानवता, काव्यत्व, काव्यरूपता, लौकिकता–पारलौकिता आदि दृष्टियों से इसका अध्ययन अत्यावश्यक है।

पाठ्य विषय : प्राचीन हिन्दी काव्य की पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ

1. कबीरदास : (कबीर–कांतिकुमार जैन–प्रारंभिक 50 साखियॉं।)
2. जायसी : (संक्षिप्त पद्मावत– श्यामसुंदर दास, नागमती वियोग वर्णन)
3. सूरदास : (भ्रमरगीत सार–संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल– प्रारंभिक 25 पद)
4. तुलसीदास : "श्रीरामचरितमानस" के सुंदरकांड से प्रारंभिक 30 दोहे, चौपाई, छंद सहित।
5. घनानन्द : (घनानन्द– संपादक, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– प्रारंभिक 25 छंद)

द्रुतपाठ : इसके अंतर्गत 1. विद्यापति 2.रहीम 3.रसखान 4.गोपाल मिश्र का अध्ययन किया जाएगा, जिनमें से किन्दी दो पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

अंक विभाजन

3 व्याख्याएं	अंक–21
2 आलोचनात्मक प्रश्न	अंक–24
3 लघु उत्तरीय प्रश्न	अंक–15
15 वस्तुनिष्ट प्रश्न	अंक–15

कुल–75 अंक

23.2.2023 23/02/23 23/2/2023

इकाई विभाजन :

इकाई एक – व्याख्या	18 कालखण्ड
इकाई दो– कबीर, जायसी	18 कालखण्ड
इकाई तीन – सूर, तुलसी, घनानंद	18 कालखण्ड
इकाई चार – द्रुत पाठ के कवि– विद्यापति, रहीम, रसखान, गोपाल मिश्र	18 कालखण्ड
इकाई पॉच – वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण इकाई से)	18 कालखण्ड

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियॉ (CLO)

1. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य की प्रारंभिक काव्य परंपरा एवं रचना शिल्प से परिचित कराना।
2. प्राचीन हिंदी काव्य के अंतर्गत आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल के प्रतिनिधि कवियों के साहित्य के प्रति मूलभूत समझ विकसित करना।
3. साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में प्रेम, सद्भाव एवं जीवन मूल्यों का विकास करना।
4. छत्तीसगढ़ प्रदेश के कवियों एवं उनके साहित्यिक अवदान के प्रति विद्यार्थियों में अभिरूचि जागृत करना।

23/02/23

23.2.2023

बी.ए. भाग–1
(हिंदी साहित्य) द्वितीय प्रश्नपत्र
हिंदी कथा साहित्य

पूर्णांकः 75
क्रेडिट – 5, 90 कालखण्ड

उद्देश्य एवं प्रस्तावना : गद्य की प्रमुख विधाओं का द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। इसमें आधुनिक जीवन, अपनी विविध कमियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियां, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए इनका अध्ययन सर्वथा अपेक्षित है।

पाठ्य विषय : व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए एक उपन्यास एवं आठ कहानीकारों की एक–एक प्रतिनिधि कहानी का अध्ययन आवश्यक है।

उपन्यासः	1. गबन	–मुंशी प्रेमचंद
कहानी	1. पूस की रात	– मुंशी प्रेमचंद
	2. आकाशदीप	– जयशंकर प्रसाद
	3. परदा	– यशपाल
	4. लाल पान की बेगम	– फणीश्वरनाथ रेणु
	5. मलबे का मालिक	– मोहन राकेश
	6. चीफ की दावत	– भीष्म साहनी
	7. जली हुई रस्सी	– गुलशेर खां शानी
	8. नकली हीरे	– उषा प्रियंवदा

द्रुतपाठ के लिए निम्नांकित चार कथाकारों का अध्ययन अपेक्षित है, जिनमें से किन्ही दो पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

1.उपेन्द्रनाथ अश्क 2.बालशौरि रेड्डी 3.शिवानी 4.पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

अंक विभाजन

3 व्याख्याएं	अंक–21
2 आलोचनात्मक प्रश्न	अंक–24
3 लघु उत्तरीय प्रश्न	अंक–15
15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंक–15
कुल–75 अंक	

23.2.2023

23/02/23

इकाई विभाजन :

इकाई एक – व्याख्या 18 कालखण्ड

इकाई दो– गबन(उपन्यास), पूस की रात, आकाशदीप, परदा (कहानियॉं) 18 कालखण्ड

इकाई तीन –लाल पान की बेगम, मलबे का मालिक, चीफ की दावत, जली हुई रस्सी, नकली हीरे 18 कालखण्ड

इकाई चार –(क) द्रुत पाठ के कथाकार–उपेन्द्रनाथ अश्क, बालशौरि रेड्डी, शिवानी, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
(ख) हिंदी कथा साहित्य का विकास 18 कालखण्ड

इकाई पॉच – वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अतिलघुउत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से) 18 कालखण्ड

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियॉं (CLO)

1. विद्यार्थियों को हिंदी उपन्यास एवं हिन्दी कहानी की विकास यात्रा से परिचित कराना।
2. उपन्यास एवं कहानी विधा की शिल्पगत विशेषताओं से अवगत कराना।
3. मुंशी प्रेमचंद एवं सुप्रसिद्ध कहानीकारों के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं साहित्यिक अवदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
4. छत्तीसगढ़ प्रदेश के साहित्यकारों के रचनात्मक कौशल एवं हिंदी कथा साहित्य की अंतर्वस्तु की समझ विकसित करना।

23.2.2023

23/02/23